

Title: Need to check the illegal activities of Bangladeshi intruders in the country.

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर) : अध्यक्ष महोदय, बांग्लादेशी अवैध घुसपैठ की समस्या आज केवल भारत-बांग्लादेश सीमा तक ही सीमित नहीं रहा। देश के विभिन्न भागों में इनकी राष्ट्रविरोधी गतिविधियां न केवल कानून व्यवस्था की दृष्टि से अपितु अन्य दृष्टियों से भी सबकी चिन्ता का विषय बन गयी है। आज पूरे देश में लगभग ढाई करोड़ बांग्लादेशी घुसपैठिए अवैध तरीके से रह रहे हैं। पूर्वोत्तर के सभी राज्यों तथा पश्चिम बंगाल और बिहार में इन घुसपैठियों ने पूरा जन-सांख्यिकी संतुलन ही बिगाड़ दिया है। अवैध घुसपैठ के कारण ही बिहार के पूर्णिया, किशनगंज, अररिया, कटिहार, सहरसा आदि तथा पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद और उत्तरी दिनाजपुर जिले मुस्लिम बाहुल्य हो चुके हैं। असम की स्थिति तो अत्यंत विस्फोटक है। असम सहित त्रिपुरा, मणिपुर, मेघालय, नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश तथा मिजोरम में वर्ष 1991 तथा वर्ष 2001 के बीच जनसंख्या में 19 प्रतिशत से लेकर 31 प्रतिशत तक वृद्धि दर्ज की गयी है। इन अवैध घुसपैठियों ने अपने नाम मतदाता सूचियों में दर्ज करा लिये हैं तथा राशनकार्ड भी बनवा लिये हैं। आज पूरे देश में 20 लोकसभा क्षेत्रों तथा लगभग 125 विधान सभा क्षेत्रों में ये घुसपैठिये चुनाव परिणाम को प्रभावित करने वाली स्थिति में आ गये हैं। राजधानी दिल्ली में भी इनकी संख्या लाखों में है, जो आए दिन कानून व्यवस्था के लिए समस्या बनते जा रहे हैं। विभिन्न अपराधों तथा राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में अनेक बांग्लादेशियों के समूह लिप्त पाये गये हैं।

अतः मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि इनकी राष्ट्रविरोधी गतिविधियों पर अंकुश लगाने तथा बांग्लादेशी घुसपैठियों को वापस भेजने के संबंध में आवश्यक कार्यवाही की जाये।